रख-रखाव तथा कृषकों के प्रशिक्षण पर बल दिया गया है।

(ii) कृषि में प्लास्टिक के उपयोग संबंधी अन्य योजना में सरकार द्वारा ग्रीनहाउस, ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग आदि के लिए, जो अच्छी क्वालिटी के फूलों के उत्पादन के लिए उपयोगी है, सहायता प्रदान की जाती है।

(iii) राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा जारी सरल ऋण सहभागिता योजनाओं के माध्यम से पुष्प फसलों के उत्पादन तथा कटाई पश्चात रख-रखाव के लिए समेकित परियोजनाओं को सहायता दी जाती है।

(iv) सरकार ने पुष्प फसलों के बीजों/रोपण सामग्री के थोक आयात संबंधी प्रक्रियाओं को आसान और सरल बना दिया है, जिनका आयात अब आयात परमिट एवं शुल्क की अदायगी के बगैर किया जा सकता है।

(v) वाणिज्य मंत्रालय आधारभूत ढांचे के सृजन, विपणन प्रोत्साहन एवं हवाई भाड़ा सब्सीडी संबंधी योजनाओं के माध्यम से फूलों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए सहायता प्रदान करता है।

(vi) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा नई किस्मों के विकास एवं विभिन्न पुष्प फसलों की कृषि तकनीकों के मानकीकरण हेतु अनुसंधान प्रयासों को मजबूत बनाया गया है।

दूध का उत्पादन

4079. **श्री राम जेठमलानी:** क्या पशुपालन और डेयरी मंत्री 2 अगस्त, 1996 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 2070 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में प्रति व्यक्ति दूध की खपत केवल 160 ग्राम है जबकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दूध की खपत कम से कम 250 ग्राम निर्धारित की गई है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार का अनुमान क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि देश में एक गाय प्रतिदिन 1.5 किलोग्राम दूध देती है जबकि विश्व के अन्य देशों में प्रति गाय दूध का औसत उत्पादन 20 से 30 लीटर तक है;

(घ) यदि हां, तो क्या प्रति गाय दूध की मात्रा बढ़ाने की पर्याप्त संभावनाएं हैं; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है?

कृषि मंत्रालय में पशुपालन और डेयरी विभाग के राज्य मंत्री (श्री रघुवंश प्रसाद सिंह): (क) और (ख) जी, नहीं। राज्य सभा में दिनांक 2.8.1996 को दिए अतारांकित प्रश्न सं॰ 2070 के उत्तर के अनुसार, 1995-96 के दौरान देश में प्रति व्यक्ति दूध की (अनुमानित) उपलब्धता 197 ग्राम प्रतिदिन है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा अनुसंशित पोषणिक आवश्यकता 220 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन है।

(ग) जी, नहीं। खाद्य एवं कृषि संगठन के 1994 के आंकलन के अनुसार भारत में विश्व के 5.60 किलोग्राम के औसत की तुलना में प्रति गाय प्रतिदिन की औसत उत्पादकता 2.70 किलोग्राम बैठती है। विश्व के अन्य देशों में प्रति गाय का औसत दुग्ध उत्पादन बंग्लादेश में 0.56 किलोग्राम से लेकर संयुक्त अमरीका में 17.0 किलोग्राम तथा इस्राइल में 25.7 किलोग्राम तक के बीच है।

(घ) और (ङ) जी, हां, केन्द्र प्रायोजित/केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से आनुवांशिक उन्नयन, आहार/चारे की उपलब्धता में सुधार आदि के द्वारा दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

Dwindling of Elephant Population

4080. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAJUBHAI A PARMAR:
SHRI SHUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether the growth of population of elephants is dwindling in the country;

(b) if so, the State-wise population of elephants according to the last three animal census and the rate of growth and increase in number registered during each census period;

(c) in which States the population of elephants has been notably dwindling; and